कोटा सच्चिदानंद शास्त्री
अकादेमी पुरस्कारः हरिकथा (आंध्र प्रदेश)

KOTA SATCHIDANANDA SASTRY
Akademi Award: Harikatha (Andhra Pradesh)

Born on 12 August 1934 in Addanki village of Prakasam district of Andhra Pradesh, Shri Kota Satchidananda Sastry trained in the traditional narrative art of Harikatha under Shri A.R. Krishnaiah, Shri Musunuri Suryanarayana Murthy, and Shri Bhagavatula Annapurnaiah.

Renowned today as a Harikatha performer, Shri Kota Satchidananda Sastry has contributed significantly to the sustenance and development of the art of Harikatha. His performance is distinguished by imaginative treatment of the content, whether in prose, poetry, or lyrical form. A top-ranking artist of All India Radio, he has participated in many prestigious music festivals in India and abroad.

For his service to the art of Harikatha, Shri Kota Satchidananda Sastry has been conferred the Ugadi Visista Puraskaram in 1988; the Hamsa Puraskaram in 2014; and the Adibhatla Narayana Dasa Puraskaram in 2019 by the Government of Andhra Pradesh. He has received several titles including the Kadhagana Kala Kovida, Madhura Gana Kala Nidhi, Harikatha Samrat, and the Hari Katha Chakravarti.

Shri Kota Satchidananda Sastry receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to the art of Harikatha of Andhra Pradesh.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के अड्डांकी गाँव में 12 अगस्त 1934 को जन्मे श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री ने हरिकथा की पारंपरिक कथावाचन कला का प्रशिक्षण श्री ए. आर. कृष्णैया, श्री मुसुनुरी सूर्यनारायण मूर्ति, तथा श्री भगवतुला अन्नपूर्णा के सानिध्य में प्राप्त किया।

हरिकथा के कलाकार के रूप में विख्यात श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री ने हरिकथा वाचन के निर्वाह और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपकी कल्पनाशीलता, चाहे वह गद्य, कविता या गीतात्मक–कोई भी हो, बड़ी ही निखरी और कलात्मक होती है। आप आकाशवाणी के उच्चतम श्रेणी के कलाकार हैं और आपने देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं।

हरिकथा कला के विकास और संरक्षण के लिए आपकी सेवाओं के आलोक में आपको 1988 में उगादी विशिष्ट पुरस्कार, 2014 में हम्सा पुरस्कार, और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा 2019 में आदिभटला नारायण दास पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आपको कढ़गण कला कोविद, मधुर गान कला निधि, हरिकथा सम्राट, और हरि कथा चक्रवर्ती सहित कई उपाधियों से भी विभूषित किया गया है।

आंध्र प्रदेश की हरिकथा कला के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018